राजेश यादव,
आई.ए.एस.

अतिरिक्त मुख्य सचिव,
स्कूल शिक्षा, भाषा एवं पुस्तकालय,
पंचायती राज (प्रारम्भिक शिक्षा) विभाग
एवं संस्कृत शिक्षा विभाग,
राजस्थान सरकार।

अ.शा.टीप क्रमांक : F.17(10)Edu-1/Q.Edu./2022-2429645
जयपुर, दिनांक : 03-07-2026

प्रिय प्रधानाचार्य/संस्था प्रधान,

नमस्कार!

एक आदर्श विद्यालय के लिए पाठ्यपुस्तकों के अध्ययन के साथ–साथ प्रत्येक बालक के बौद्धिक, रचनात्मक, सामाजिक, नैतिक एवं भावनात्मक विकास के लिए समान रूप से अनुकूल वातावरण उपलब्ध करवाया जाना आवश्यक है। विद्यालय ही वह स्थान है जहाँ बच्चों के व्यक्तित्व की नींव रखी जाती है और उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होता है।

प्राथमिक स्तर पर बच्चों के व्यक्तित्व की नींव को मजबूत बनाये जाने एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए यह भी आवश्यक है कि उनमें स्वाभाविक जिज्ञासा, कल्पनाशीलता एवं सीखने की क्षमता को विकसित करने के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण, विज्ञान एवं संवेदी (Sensory) लर्निंग को विद्यालय की नियमित शिक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाए। उनके पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने जैसे भाषा कौशलों को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि बच्चों में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति एवं प्रभावी संवाद क्षमता का विकास हो सके। केन्द्र एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से शैक्षिक गुणवत्ता हेतु कक्षा 1 से 12 तक के लिए अनेक कार्यक्रम एवं योजनाएं चल रही है जैसे – एफएलएन, ओआरएफ, कार्यपुस्तिकाएं, गणित एवं विज्ञान किट आदि। इन सभी कार्यक्रमों एवं सामग्री का निर्धारित समय पर उपयोग करने से निश्चित रूप से विद्यार्थियों के लर्निंग स्तर में वृद्धि होगी।

स्मार्ट शिक्षण संसाधनों, डिजिटल लर्निंग, नवाचार आधारित शिक्षण एवं तकनीक के प्रभावी उपयोग से शिक्षण को अधिक रोचक, व्यावहारिक और परिणामोन्मुख बनाये जाने के लिए पिछले वर्षों में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना की गई है ताकि बच्चे पाठ्यक्रम को ठीक प्रकार से समझकर पढ सके।

मुझे विश्वास है कि आप सभी संस्था प्रधान अपने विद्यालयों में ऐसा वातावरण विकसित करेंगे जहाँ अनुशासन, नैतिक मूल्य, संवेदनशीलता एवं राष्ट्रप्रेम जैसे गुण विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा बनें। प्रत्येक शिक्षक बच्चों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बने तथा प्रत्येक विद्यार्थी स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और सीखने के लिए प्रेरित महसूस करे।

राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने इस वर्ष उत्कृष्ट परिणाम देकर विद्यालय, अभिभावकों एवं राज्य का गौरव बढाया है। इस उपलब्धि के पीछे शिक्षकों की निष्ठा, विद्यार्थियों की मेहनत तथा अभिभावकों का सतत सहयोग निहित है। मैं इस सामूहिक प्रयास के लिए आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

विद्यार्थियों में आपसी सहयोग एवं अधिगम (लर्निंग) वृद्धि के लिए प्रत्येक कक्षा में 3–5 विद्यार्थियों का समूह बनावे, जिससे बच्चे एक–दूसरे का सहयोग करते हुए आपसी अधिगम (लर्निंग) में वृद्धि कर सके।

विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की सुविधा के लिए इस वर्ष हमारा शिक्षा का नवीन सत्र 1 अप्रैल से प्रारंभ हो गया है, जिससे बच्चों को डेढ़ महीने का अतिरिक्त समय शिक्षण के लिए मिला है।

29 जून से शिक्षण सत्र पुनः प्रारंभ हुआ है, मेरा आपसे आग्रह है कि इस दौरान बच्चे बड़े उत्साह के साथ विद्यालय में आना प्रारंभ करेंगे, ऐसे में अभिभावकों को अपने बच्चों को प्रवेश दिलाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न नहीं हो ऐसा आप प्रयास करें। आप अपने स्तर पर गांव के प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्तियों, अभिभावकों से सम्पर्क कर सुनिश्चित करें की गांव में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहे। विद्यालय की व्यवस्था इस प्रकार से करे की प्रतिमाह शिक्षक, अभिभावकों से सम्पर्क कर उनकी प्रगति से अवगत करावें।

वर्षा ऋतु भी प्रारंभ हो रही है। इस अवसर पर मैं आप सभी से विशेष आग्रह करता हूँ कि विद्यालय परिसर, भवनों एवं कक्षाओं की सुरक्षा का गंभीरता से निरीक्षण करें। यदि किसी भी कक्षा, भवन अथवा अन्य संरचना की स्थिति शिक्षण के लिए सुरक्षित नहीं है, वहाँ विद्यार्थियों को किसी भी परिस्थिति में न बैठाया जाए तथा तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया जाए। विद्यालय के खाली परिसर में घास, खरपतवार में विषैलें जीव–जन्तु पनप सकते है, विद्यालय के आसपास तालाब, पोखर, सड़क इत्यादि होने की स्थिति में विद्यार्थियों को इनसे होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव एवं इनसे सावधानी रखने के लिए जागरूक करें। विद्यार्थियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी संस्था प्रधान एवं शिक्षक अपने समर्पण, नेतृत्व एवं नवाचारपूर्ण प्रयासों से प्रत्येक विद्यालय को सुरक्षित, प्रेरणादायक, अनुशासित और उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। विद्यालय को स्वच्छ रखने, विद्यार्थियों का नांमांकन बढ़ाने एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने के मामले में आपके सम्मुख राजकीय विद्यालयों के अनेक उदाहरण हैं, जैसे–स्वच्छ हरित विद्यालय रेटिंग में राजस्थान के 11 विद्यालयों का चयन हुआ है, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय उजीन सिंह का

बाडा, सीकर ने देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है इसके लिए श्री राजकमल के साथ ही अन्य सभी 11 विद्यालयों के संस्था प्रधानों को बधाई देता हूं।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सहजरासर, जिला बीकानेर एवं लवान, जैसलमेर का कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम न केवल शत् प्रतिशत रहा है, बल्कि 30 से 40 प्रतिशत विद्यार्थियों के 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुए है। इसी प्रकार भीलवाड़ा जिले के सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का नामांकन 3200 से अधिक एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेन्द्र मार्ग का 2500 से अधिक नामांकन होने पर भी विद्यालय का सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दादिया, जिला सीकर के शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य द्वारा अपनी लगन, मेहनत एवं समर्पण से विद्यालय में प्रभावी शिक्षण का माहौल बनाया। ये हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। इसके लिए मैं उन्हें भी बधाई देता हूँ।

विद्यालय, विद्यार्थियों एवं शिक्षको से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए आप इस क्यूआर कोड़ के माध्यम से सूचनाएं एवं सुझाव भेज सकते हैं, जिसका यथासमय तथा संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर निराकरण किया जाएगा।

आइए, हम सभी मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करें जहाँ प्रत्येक बच्चा सुरक्षित रहे, आनंदपूर्वक सीखे, श्रेष्ठ संस्कार ग्रहण करे और अपने सपनों को साकार करने के लिए सक्षम बन सके।

आप सभी के सतत प्रयासों एवं समर्पण के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

सप्रेम

शुभेच्छु

(राजेश यादव)

समस्त प्रधानाचार्य/संस्था प्रधान,
राजकीय विद्यालय, राजस्थान।